भा.प.अ. केंद्र के वैज्ञानिकों को सम्मान

BARC SCIENTISTS HONOURED

• डॉ.जे.पी.मित्तल, अध्यक्ष, रासायन तथा आइसोटोप वर्ग भा.प.अ.केंद्र को हमबोल्ट अनुसंधान पुरस्कार के लिये नामित किया गया है। यूरो 50,000 की राशि का यह पुरस्कार उन्हें अनुसंधान तथा शिक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिये प्रदान किया गया। इस पुरस्कार से उन्हें जर्मनी में लम्बे समय के लिये अनुसंधान के अवसर प्राप्त होंगे तथा दोनों देशों में परस्पर वैज्ञानिक उन्नति बढ़ाने में भी सहायता मिलेगी ।

Dr J.P. Mittal, Director, Chemistry and Isotope Group, BARC, has been elected to receive the Humboldt Research Award representing an amount of Eur 50,000/-. This award has been granted to Dr Mittal in recognition of his past accomplishments in research and teaching. This gives him the opportunity to undertake research in Germany for prolonged periods and contribute to the promotion of scientific cooperation between research institutions in both countries.

R.K. Sinha

Mr. B.B. Rupani

• श्री. आर.के. सिन्हा, सह निदेशक, रियक्टर .अभिकल्पन एवं विकास वर्ग, श्री बी.बी.रुपानी, प्रधान, रियक्टर कूलन्ट चेनल, रिएक्टर इंजीनियरिंग प्रभाग तथा श्री बी. एस. वी. जी. शर्मा, ग्रुप लीडर, इलेक्ट्रिकल डिवाइसिज, तथा आटोमेशन ग्रुप, रियक्टर इन्जीनियरिंग प्रभाग (RED), को संयुक्त वासविक (विविधलाक्षी

B.S.V.G. Sharma

औद्योगिक संशोधन विकास केंद्र) की ओर से वर्ष 2000 के लिए मेकेनिकल तथा स्ट्रक्चरल विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के लिए पुरस्कृत किया गया। 50,000/- रूपये की राशि तथा प्रशस्ति पत्र का यह पुरस्कार संयुक्त गणराज्य के आदरणीय उप-प्रधान मंत्री जोन पुस्कोट द्वारा सितम्बर 20, 2002 को, वासविक संगठन द्वारा मुंबई में आयोजित एक अवसर पर दिया गया।

यह पुरस्कार दाबित भारी पानी रिएक्टरों (PHWRs) की विविध प्रणाली, निरीक्षण, पुर्नवास तथा जीवन व्यवस्था के विकास के लिये निर्धारित किया गया था। इस शिल्प-विज्ञान से भारत के दाबित भारी पानी रिएक्टरों के निरन्तर सुरक्षित प्रचालन के द्वारा विदेशी मुद्रा के कई सौ क्रोडो रुपयों के लाभ के अतिरिक्त भारत को विकास क्षेत्र में भी मान्यता प्राप्त हो गई है।

वर्ष 1974 में स्थापित किया हुआ वासविक संस्थान का यह पुरस्कार प्रतिवर्ष नौ विभिन्न क्षेत्रों के उन वैज्ञानिकों तथा इंजीनियरों को मान्यता देने के लिये दिया जाता है जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय अर्थ व्यवस्था, उत्पादन, अविष्कार, अनुसंधान में प्रमुख योगदान दिया है। यह पुरस्कार रॉयल सोसाइटी आफ लंडन में दिया जाने वाला मारकोनी पुरस्कार के स्तर का माना जाता है ।

श्री.आर.के. सिन्हा, श्री.बी.बी. रुपानी तथा श्री.बी.एस.वी.जी. शर्मा दाबित भारी पानी रिएक्टर के जीवन शिल्प विज्ञान के क्षेत्र में कार्यरत है। वे तकनीकी योगदान तथा स्वदेशी विकास की मुख्य तकनीकों को सरल बनाने में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं । यह भारत के दाबित भारी पानी रिएक्टरों की प्रौद्योगिकी विकास की कार्यविधि के लिये उपयोगी है।

Mr R.K. Sinha, Associate Director, Reactor Design & Development Group, BARC, Mr B.B. Rupani, Head, Reactor Coolant Channel Section of RED, and Mr B.S.V.G. Sharma, Group Leader, Electrical Devices & Automation Group of RED were jointly awarded the prestigious VASVIK (Vividhlaxi Audyogic Samshodhan Vikas Kendra) award for the year 2000 in the field of Mechanical & Structural Sciences & Technology. The award

carries a prize of Rs 50,000/- and citation. The award was given away by Rt. Hon'ble John Prescott, Dy. Prime Minister of U.K. in a function organised by VASVIK organisation on September 20, 2002 at Mumbai.

The award was given for the development of various systems for inspection, rehabilitation and life management of Pressure Tubes of Pressurised Heavy Water Reactors (PHWRs). These technologies have not only enabled continued safe operation of Indian PHWRs, saving several hundred crores of rupees in foreign exchange, but also brought an international recognition of the capability developed by India in this field.

The VASVIK award instituted by VASVIK organisation (established in year 1974) is given annually in nine different subjects/areas of Science & Technology to recognise the outstanding scientists and engineers from all over the country, who have engaged in research which results in discovery or innovation that has been demonstrated as leading to national prosperity by increasing production, improving efficiency towards economic growth of the country. It is somewhat on the lines of Marconi Award (at a different level) given by the Royal Society of London.

Mr R.K. Sinha, Mr B.B. Rupani and Mr B.S.V.G. Sharma are engaged in work related to PHWR life management technology development. They are providing direct technical contributions as well as leadership to facilitate indigenous development of analytical methodologies and several technologies required for an integrated approach of life management of Pressure Tubes of Indian PHWRs.

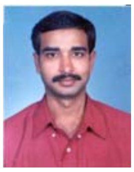

- श्री. एस. गौतम, खाद्य तकनीकी प्रभाग, को सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट में अक्टूबर 17-18, 2002, को उत्तम मौखिक प्रस्तुतिकरण के लिये "युवा वैज्ञानिक पुरस्कार" से सम्मानित किया गया है । इस प्रस्तुति के लेखक श्री एस. गौतम और श्री अरूण शर्मा हैं तथा इसका शीर्षक "Xanthomonas Programmed Cell Death has Similarities with Eukaryotic Apoptosis" है ।

Mr S. Gautam of Food Technology Division, BARC, has been honoured with the "Young Scientist Award" for the best oral presentation during the National Conference on Environmental Biology, held at Saurashtra University, Rajkot, during October 17-18, 2002. The work presented was entitled "Xanthomonas Programmed Cell Death has Similarities with Eukaryotic Apoptosis" and was authored by S. Gautam and Arun Sharma.